एपिसोड – 40
(वर्षा चक्र और मानसून का बदलता स्वरूप)

मुख्य शोध एवं आलेख : श्री हेमंत लागवणकर
हिंदी अनुवाद: श्रीमती सविता यादव

संगीत

ग्लोबल वार्मिंग के कारण पर्यावरण में बदलाव हो रहे हैं I आज पूरे विश्व में इस बदलाव को देखा जा सकता है I वर्षा चक्र मौसम को प्रभावित करने वाला सबसे बड़ा कारक है I जिस प्रकार मौसम और कृषि का घनिष्ठ सम्बन्ध है, उसी प्रकार का सम्बन्ध वर्षा और कृषि में भी देखा जा सकता है I इसलिए वर्षा चक्र में बदलाव का मतलब है – सीधे सीधे फसल चक्र में बदलाव …….

वर्षा चक्र में हो रहे बदलाव का सीधा प्रभाव हमारी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है I खाद्य सुरक्षा पर खतरा मंडराने लगता है I मौसम में हो रहे बदलाव का सीधा प्रभाव मानसून पर पड़ता है I जिससे कृषि उत्पाद, पानी के स्त्रोत और अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है I

धारावाहिक संगीत

भाग लेने वाले कलाकार:

राधेश्याम बाबा 50 वर्ष	–	***कपटी बाबा***
शिष्य अनुयायी 30-35 वर्ष	–	***गाँव वाले***
महिपाल 40 वर्ष	–	***ग्रामीण***
सुरेन्द्र 40 – 50 वर्ष	–	***कृषक***
सुनीता 35- 40 वर्ष	–	***सुरेन्द्र की पत्नी***
डॉ० प्रताप 45 वर्ष	–	***मौसम वैज्ञानिक***

<u>दृश्य 1</u> : गाँव की चौपाल / भजन चल रहे हैं I लोगों का शोर / राधेश्याम बाबा का प्रवचन ……

राधे कृष्णा हरी हरी मुकुंद बिहारी.....
राधे – कृष्णा – गोपाल कृष्णा – मुकुट बिहारी.....
राम हरे... हरे राम..
कृष्णा.... हरे... हरे...कृष्णा...

अनुयायी शिष्य / सभी एक साथ भजन - गान करते हैं I
बोलो श्री गोपाल कृष्ण की जय.....

ध्वनि प्रभाव

मैं जानता हूँ कि आप सभी यहाँ महाज्ञानी - महात्मा बाबा जी को सुनने के लिए दूर दूर से आये हो I

महीपाल : बोलो श्री राधेश्याम बाबा की जय (सभी एक साथ) I

शिष्य : अबए मैं आप लोगों के बीच दीवार बनकर नहीं खड़ा रहना चाहता ! महाराज जी आ चुके हैं I जोरदार - स्वागत .....

ध्वनि प्रभाव / जयकारों की गूँज

अब बाबा जी श्री श्री 1008 महात्मा राधेश्याम जी अपने वचनों से आप सभी को सरोबार करेंगे बोलो बाबा (सभी एक साथ) की जय I

बाबा : आश्चर्य से I भक्ति भाव से ....
.....शिवाय ॐ.....शिवाय ॐ. .नम...ॐ
भक्तों आप नहीं जान पा रहे हो आप लोग कितने भाग्यशाली हो I भगवान शिव स्वयं आप लोगों के साथ इस प्रवचन को सुनने के लिए आये हुए हैं I आप उन्हें नहीं देख पा रहे हो परन्तु वो आप सभी पर अपने आशीर्वाद की वर्षा कर रहे हैं I जय हो प्रभु की जय हो...

(सभी आपस में कानाफूसी करते हैं I)

बाबा : हँसते हैं I ये क्या ? आप भगवान को नहीं देख सकते I
परन्तु मैं उन्हें देख रहा हूँ ...मुख मंडल पर चमक सारा आभामंडल प्रकाशवान ओहो.....
ॐ नमः शिवाय शिव का आशीर्वाद हम सभी के साथ है I इसलिये शिव भक्तों डरो मत I भगवान का हाथ I आप सभी पर है I सारी समस्यायें दूर हो जायेंगी I

सुरेन्द्र : हे बाबा ! हमारी तो एक ही समस्या है और वो है - वर्षा का न होना ....

बाबा : चारों तरफ देखते हुए I क्या कहा किसने कहा वर्षा की समस्या है ?

सुरेन्द्र : भय से I शमा करें बाबा ! मैंने ही सवाल किया था I आपने कहा था कि
सभी समस्याओं का समाधान हो जायेगा I

बाबा : ये इतना जरुरी नहीं है I छोटी सी बात है I

सुरेन्द्र : परन्तु बाबा आज हमारे लिए यही सबसे बड़ी समस्या है I और आपने तो कहा है, यहाँ सभी समस्याओं का समाधान होगा I

बाबा : भरी आवाज़ में I क्या तुम्हें, मुझ पर विश्वास नहीं है ?

सुरेन्द्र : नहीं बाबा ! ऐसी बात नहीं है I

बाबा : क्रोध में I क्या बात नहीं है I कौन हो और कहाँ से आये हो ? क्या काम
करते हो ?

सुरेन्द्र : बाबा, में एक किसान हूँ I

बाबा : हैं.....

सुरेन्द्र : इसीलिये, बाबा, मैं चिन्तित हूँ I वर्षा हो नहीं रही है I फसलें सूख रही
हैं I और देर हुई तो सब कुछ नष्ट हो जायेगा I

बाबा : क्या तुम सोचते होए मुझे ये मालूम नहीं है I मैं सब कुछ जानता हूँ I यदि मैं यहाँ नहीं होता तो भी मैं सब कुछ जान लेता I

शिष्य : बोलो राधे बाबा की जय (समूह में एक साथ)

बाबा : मेरे भक्तो, सुनो I तुम्हारी सभी समस्याओं का ज्ञान मुझे है I और में यह
भी बताना चाहूँगा कि ये सभी समस्यायें तुम्हारे जीवन से खत्म हो जायेंगी I परन्तु....

महीपाल : जिज्ञासा स्वरूप I परन्तु क्या करना होगा बाबा ?

बाबा : इसके लिए, तुम्हें अपने आपको, भगवान शिव को समर्पित करना होगा I सभी एक साथ, हम तैयार हैं बाबा !

बाबा : अच्छा फिर सुनो I इसके लिए तुम्हें, भगवान शिव को कुछ चढ़ावा देना होगा I क्या तुम में से कोई इसकी जिम्मेदारी ले सकता है तुम हा तुम महीपाल I

महीपाल : आश्चर्य से I बाबा, आप मेरा नाम जानते हैं I

बाबा : हँसते हुए I मैं सब कुछ जानता हूँ I

महीपाल : ये तो मेरा सौभाग्य होगा बाबा I

बाबा : इसलिए सोमवार को, दूध, घी, चीनी, शहद, आटा सभी चीजों को एकत्रित कर यहाँ पहुँचो I

महीपाल : बहुत अच्छा बाबा – ये सारा काम हो गया समझो I

बाबा : पर ध्यान रहे .....

महीपाल : वो क्या बाबा ?

बाबा : सभी चीजों का वजन 16-16 किलोग्राम होना चाहिए I

सभी एक साथ : आश्चर्य से I 16 - 16 किलो ग्राम वो भी सही मात्रा में !

बाबा : हाँ...यदि ऐसा नहीं हुआ तो तुम्हारी इच्छायें पूरी नहीं होंगी I

महीपाल : हाँ बाबा ! ऐसा ही होगा चिंता नहीं.....

बाबा : हँसते हुए I चिंता कभी नहीं I ये तो सब तुम्हारे लिए हैं I

महीपाल : बहुत अच्छा बाबा I

बाबा : हाँ....एक बात का और ध्यान रखना I

महीपाल : वो क्या बाबा ?

महीपाल : तुम्हें 16 हज़ार रूपये भी एकत्रित करने होंगे I

सभी : 16 हज़ार रूपये ....कहा से आयेंगे ?

बाबा : हाँ सभी मिलकर इस राशि को एकत्रित कर सकते हो Iआखिर बारिश और
फसल का मामला है I

महीपाल : बाबा, जैसे भी होगा, हम इसकी व्यवस्था करेंगे I

बाबा : ठीक है I तैयारियां अभी से शुरू कर दो I भोले शंकर तुम्हारे साथ हैं I

शिष्य : बोलो राधेश्याम बाबा की जय मिलकर - सभी एक साथ I
श्री गोपाल कृष्ण की जय....
भोलेशंकर की जय....

ध्वनि प्रभाव..... भजन - गीत

<u>दृश्य 2</u> : सुरेन्द्र का घर.... सुरेन्द्र अपनी पत्नी सुनीता से बात कर रहा है I जो रसोई में काम कर रही है I

सुरेन्द्र : सुनीता ……. ओ …….सुनीता ! मैं यहाँ ये दो सौ रूपये रख रहा हूँ I यदि
महीपाल आये तो उसे दे देना I

सुनीता : क्या तुमने, उससे उधार लिए थे I

सुरेन्द्र : नहीं सुनीता मेने किसी से उधार नहीं लिए हैं I ये तो किसी सामूहिक कार्य के लिए हैं I

सुनीता : कौन सा योगदान ? मैं समझी नहीं I

सुरेन्द्र : सुनीता तुम भूल गई ! कल ही तो मैंने बताया था I

सुनीता : अच्छा ! मंदिर में आये हुए बाबा के लिए I

सुरेन्द्र : हाँ.....

सुनीता : हाँ .....ये क्यों ? तुम्हें मालूम ही हैए घर कैसे चलता है I हमारे पास
फालतू पैसा नहीं है I यदि यही स्थिति बनी रही तो घर चलाना मुश्किल हो जाएगा I

सुरेन्द्र : हाँ सुनीता, मैं जानता हूँ I परन्तु ये सब मैं स्थिति को सुधारने के लिए कर रहा हूँ I

सुनीता : क्रोध से I इससे हमारी स्थिति सुधरने वाली नहीं है I हाँ, इससे उस बाबा
की स्थिति अवश्य सुधरेगी I

सुरेन्द्र : तेज आवाज़ में सुनीता, तुम बाबा के बारे ये क्या कह रही हो I राधेश्याम
बाबा, सब जानता है I वह अंतर्यामी है I ये सब उन्होंने, इस समय सुझाया है, जब मैंने अपनी समस्याओं को उनके सामने रखा I वह मुझे अनसुना कर सकते थे I

सुनीता : अनसुना क्यों करते ? यह तो उनके लिए स्वर्ण अवसर था I पैसा जो ठगना है I

सुरेन्द्र : क्रोध मेंद्ध सुनीता ! बहुत हुआ अब बाबा के विरुद्ध और कुछ नहीं I
मैं राधेश्याम बाबा के विरुद्ध और कुछ नहीं सुनना चाहता I प्रताप का सुरेन्द्र के घर में प्रवेश I

प्रताप : हैल्लो दोस्त ! कैसे हो ?

सुरेन्द्र : आश्चर्य से I अरे प्रताप तुम !

प्रताप : क्या चल रहा है ? सुरेन्द्र मैं पास से ही जा रहा था और जब तुम्हारी आवाज़ सुनी बस चला आया I क्या चल रहा है ? इतना क्रोध !

सुरेन्द्र : नहीं ऐसा नहीं है I

प्रताप : क्या भाभी जी पर क्रोध कर रहे थे ? भाभी जी क्या हुआ ? सब ठीक तो है I

सुनीता : कोई विशेष नहीं I भाई साहब बैठिये I मैं अभी चाय बनाकर लाती हूँ I

प्रताप : ओ. के. सुरेन्द्र I अब बताओ बात क्या है ?

सुरेन्द्र : नहीं कोई विशेष नहीं प्रताप I

प्रताप : मैं तुम्हारे चेहरे को पढ़कर बता सकता हूँ, सब कुछ तो ठीक नहीं है !

सुरेन्द्र : प्रताप मैं उस योगदान की बात कर रहा था I

प्रताप : कौन सा योगदान ?

सुरेन्द्र : ये योगदान अच्छी वर्षा हो इसलिए किया जा रहा है I

प्रताप : हँसता है I सुरेन्द्र ! तुम मज़ाक कर रहे हो ?

सुरेन्द्र : नहीं प्रताप मैं सही में कह रहा हूँ I राधे बाबा बता रहे थे किए अच्छी वर्षा के लिए ये आवश्यक है I

प्रताप : और तुमने उस पर विश्वास कर लिया I क्या मज़ाक है ?

सुरेन्द्र : हाँ ऐसा ही है I प्रताप, मैं ही नहीं वहाँ और भी जितने लोग थे, उन्होंने सहयोग देने का वचन दिया है I

प्रताप : क्या मज़ाक है ? इससे कोई वर्षा नहीं होने वाली है I तुम्हारा सारा पैसा वह ढोंगी बाबा ही हड़प जायेगा I जो तुम्हारा है वह उसका होगा I समझे.....!

सुरेन्द्र : प्रताप भईया तुम भी सुनीता की हाँ में हाँ भर रहे हो I

प्रताप : अच्छा ! ये बताओ, इसमें क्या गलत कहाँ है ? ध्यान से सुनो I कोई बाबा वर्षा नहीं करवा सकता है I आप उस राधे बाबा के शिष्य हो सकते हो, परन्तु मेरा भी विश्वास करो I

सुरेन्द्र : क्यों ?

प्रताप : हँसते हुए I सीधा सा उत्तर है I मैं एक मौसम वैज्ञानिक जो हूँ मैंने ये सब पढ़ा है और शोध किया है I मैं जानता हूँ अच्छी वर्षा के क्या कारक हैं और सूखा पड़ने के पीछे क्या कारक हैं ? तुम्हारा बाबा, इस बारे में कुछ नहीं कर सकता I वह सभी गाँव वालों को मूर्ख बना रहा है I

ध्वनि प्रभाव

<u>सुनीता का प्रवेश.....</u>

सुनीता : बाबू जी, यही तो मैं भी कह रही थी I पर मेरी सुनता कौन है I अच्छा चाय लीजिये

ध्वनि प्रभाव चाय कप प्लेट आदि I

प्रताप : भाभी जी, आप बिल्कुल सही हैं I

सुरेन्द्र : ओह ! अब मैं क्या कह सकता हूँ ? मेरी आप दोनों से यही प्रार्थना है कि

सभी गाँव वालों को समझाओ I यदि सभी लोग अपना इस हवन के लिए योगदान करते हैं, तो हमारे लिए मना करना ठीक नहीं होगा I

प्रताप : सुरेन्द्र ! ध्यानपूर्वक मेरे बात सुनो I आशा करता हूँ कि आप स्वयं इस बारे में गंभीरता से सोचेंगे I देखो..... वर्षा का देर से आना किसी अपशकुन या फिर देवताओं के कोप भाजन से सम्बन्ध नहीं है I वर्षा का होनाए कई प्राकृतिक कारकों से जुड़ा हुआ होता है I जैसे कि हवा का दबावए हिमालय पर बर्फ का गिरनाए हवा में नमी की मात्राए महासागरों के पानी का तापमान आदि I वास्तव में यह एक प्रकृति का चक्र है I यदि किसी एक भी कारक मेंए बड़ा बदलाव होता है तो वर्षा चक्रए और मानसून में परिवर्तन देखा जा सकता है I वैज्ञानिक निरंतर इस प्रक्रिया पर नज़र रखते हैं I

सुरेन्द्र : अच्छा फिर वैज्ञानिक वर्षा क्यों नहीं करवाते हैं I सुनीता I और किसी की

क्या जरुरत है I हमारे वैज्ञानिक भईया ही ये सब समझा देंगे I वो तो स्वयं मौसम विभाग में काम करते हैं I

प्रताप : हाँ मैं तुम्हें इस बारे में समझाता हूँ I

सुरेन्द्र : फिर, कब हमें इसके लिए तैयारी करनी है I

प्रताप : सुरेन्द्र चिंता मत करो ! मैं बताता हूँ ध्यान से सुनो.....

###संगीत परिवर्तन ###

दृश्य -3 : गाँव में चाय की दुकान...बर्तन गगैस कूकर रेडियो पर गाने चल रहे हैं I

लोगों की आपसी चर्चा..

प्रताप : हैल्लो महीपाल I कैसे हो ?

महीपाल : साहब सब ठीक है I

प्रताप : महीपाल मैं तुम्हें ही देख रहा था I

महीपाल : आश्चर्य से I मुझे ! क्या बात है ?

प्रताप : हाँ

महीपाल : परन्तु क्यों ?

प्रताप : हँसते हुए I वास्तव में, मैं भी हवन मन्त्र के लिए अपना योगदान करना

चाहता हूँ I गाँव वाले बता रहे थे किए ये सारी जिम्मेदारी बाबा ने तुम्हें दी है ?

महीपाल : हाँ साहब I परन्तु मैंने पैसे और दूसरी चीजें इकट्ठा करना अभी शुरू नहीं किया है I आप पहले व्यक्ति हैं I मैं आपसे ही शुरू करता हूँ I ये ठीक रहेगा I प्रताप I महीपाल सुनो ! अभी तुमने इस काम को शुरू नहीं किया है I मेरा एक सुझाव है I इससे तुम्हारा काम भी आसान हो जाएगा I

महीपाल : ठीक है साहब मुझे क्या करना होगा I प्रताप I महीपाल दो दिन बाद सभी

गाँव वालों को अपना योगदान देने के लिए पंचायत स्थल पर बुला लो I सारा पैसा एक झटके में ही इकट्ठा हो जायेगा I मैं तुम्हारी मदद करूँगा I तुम्हें हर घर जाने की आवश्यकता ही नहीं पड़ेगी I समझे I

महीपाल : अच्छा सुझाव मैं सभी गाँव वालों को पंचायत भवन पर इकट्ठा होने के लिए सन्देश भिजवाता हूँ I

प्रताप : मैं भी वहाँ पर पहुँच जाऊँगा I परन्तु मैं सभी गाँव वालों से बात करना चाहूँगा I

महीपाल : ठीक है साहब ! अच्छा चलूँ राम राम.....

####संगीत परिवर्तन ###

दृश्य – 4 : गाँव की पंचायत का दृश्य लोगो में चर्चा और बातचीत का शोर बैठक शुरू होने वाली है और महीपाल की आवाज़ उभरती है I

महीपाल : कृपया शांत हो जायें I मेरी बात ध्यान से सुनो I आप सभी को पता है कि हम पवित्र हवन यज्ञ के लिये यहाँ आये हैं I इसका आयोजन तो आपको पता ही है अगले सोमवार को होने जा रहा है I इससे वर्षा होगी और समृद्धि आयेगी I परन्तु पहले प्रताप भाई साहब, कुछ कहना चाहेंगे I इसलिए प्रताप जी का तालियों से स्वागत करते हुए उनको मैं आमंत्रित करता हूँ I

###ध्वनि प्रभाव ###

प्रताप : दोस्तो ! आज हम एक महत्वपूर्ण कार्य के लिए इकट्ठा हुए हैं हम पैसा इकट्ठा करना शुरू करें उससे पहले मैं कुछ कहना चाहूँगा I जिस विषय पर मैं कुछ कहना चाहूँगाए वह है – वर्षा, वर्षा चक्र और मानसून.....

ग्रामीण.1 : हम तुम्हारा भाषण सुनने के लिये नहीं आये हैं I ये लो पैसे और हमें जाने दो I

लोगों का शोर

प्रताप : हाँ मैं आप लोगों से सहमत हूँ I परन्तु जब आप कठिन परिश्रम से अपनी कमाई हुई धन राशि दे रहे हो तो इस बारे में गहनता से सोचना भी आवश्यक हो जाता है I मैं आप लोगों का ज्यादा समय नहीं लूँगा I

ग्रामीण.1 : अच्छा ठीक है I जल्दी से अपनी बात रखो I

प्रताप : एक छोटा सा सवाल है मेरा ! आखिर वर्षा क्यों होती है I

सुरेन्द्र : आसान उत्तर हँसते हुए I घने काले बादल जब बरसते हैं तो वर्षा होती है I

प्रताप : सहीं कहा सुरेन्द्र I परन्तु उत्तर अभी अधूरा है I उसने ये तो बताया ही नहीं आखिर – घने काले बादल बनते कैसे हैं I क्या बादल भी हमारी तरह इकट्ठा होते हैं जिससे वो अपना सहयोग दे सके सभी हँसते हैं I परन्तु ऐसा नहीं है I

ग्रामीण.1 : तो फिर सच्चाई क्या है ?

प्रताप : हाँ काले घने बादल आखिर मानसून के मौसम में ही क्यों दिखाई देते हैं ? साल के कुछ विशेष महीनों में ही वर्षा क्यों होती है ?

ग्रामीण.1 : बरसात तो सावन भादो में ही आती है I यानी जून से लेकर आप कह सकते हैंए सितम्बर तक.....

प्रताप : हाँ घने काले बादल इन्हीं महीनों में दिखाई देते हैं I ये बादल दूसरे महीनों में नदारद रहते हैं ?

ग्रामीण.1 : हाँ ये ठीक है I

प्रताप : क्या आपको पता है ऐसा क्यों है? वर्षा के बाकी महीनों में ये बादल क्यों नहीं दिखाई देते !

######## कुछ देर के लिए सभी शांत #######

कोई बात नहीं चलो मैं बताता हूँ I इस प्रकार से होने वाली मौसमी वर्षा को मानसून के नाम से जानते हैं I ये वर्ष के कुछ निश्चित महीनों में ही होती है I

सुनीता : बाबू ! आखिर ये कुछ महीनों में ही क्यों होती है I

प्रताप : बहुत अच्छा प्रश्न ! मानसून व हवाओं का एक चक्र है I साल में यह अपनी दिशाओं को दो बार बदलता है I छःह महीने इसकी दिशायें उत्तर पूर्व की ओर बहती है तथा छह महीने दक्षिण पश्चिम की ओर बहती है I भारत का मानसून चक्र पूरी दुनिया में विशेष प्रकार काए एक प्रमुख वर्षा चक्र है I सर्दी के मौसम में यह उत्तर पूर्व की दिशा में बहता है और गर्मी में इसकी दिशा बदल कर दक्षिण पश्चिम हो जाती है I क्योंकि गर्मियों में ये हवायें समुद्र से जमीन की ओर चलती हैं जिससे वो नमी अपने साथ लेती है और नमी से भरपूर ये हवायें हमारे देश में बारिश करती हैं I

ग्रामीण.2 : खाँसते हुए... वृद्ध आवाज़ I बेटा –तुम ठीक कह रहे हो I परन्तु इस बार तो बहुत देरी हो गई है I हमए लम्बे समय से बरसात की प्रतीक्षा कर रहे हैं I

प्रताप : चाचा जी I तुम्हारी लाचारी में जानता हूँ I मैं यहाँ इस बार देर क्यों हुई है यही बताने के लिये आया हूँ I

ग्रामीण.2 : अच्छा ये बात है I

प्रताप : हमारे क्षेत्र में अकाल की स्थिति बनी हुई है और उधर देखिये राजस्थान में बाढ़ आ गया है वो भी रेगिस्तान में !

सुरेन्द्र : रेगिस्तान में बाढ़ !

प्रताप : इस बार वहाँ बहुत वर्षा हुई है

महीपाल : इसीलिये बाबा ने हमें हवन पूजन और मंत्रोच्चारण करने के लिए कहा है I इससे सारे कष्ट दूर हो जायेंगे I

प्रताप : बीच में बोलते हुए I महीपाल रुको ! मैं अपनी बात समाप्त कर देता हूँ I हाँ ! मैं वर्षा न होने के पीछे क्या कारण हैं इसकी बात कर रहा था I शुरुआत अच्छी हुई थी परन्तु उसके बादए तीन सप्ताह का ठहराव जो देख रहे हैं I

एक साथ I ## हाँ यही बात है I ##

प्रताप : कई बार इतनी वर्षा होती है कि सारे खेत खलियान पानी से लबालब भर जाते हैं I एक तरह से असामान्य स्थिति I शोधकर्ताओं ने और वैज्ञानिकों ने सन 1916 से लेकर 2013 के बीच के आँकड़ों का अध्ययन किया है I लगभग 10% जिलों में देखा गया है कि वर्षा का प्रतिशत बढ़ रहा है वहीं दूसरी ओर 15% जिलों में औसत बरसात कम हो रही है I

ग्रामीण.1 : क्या हमारा जिला उन 15% में आता है ?

प्रताप : आँकडें बताते हैं किए उत्तर पश्चिम क्षेत्र में जहाँ पर उत्तराखण्ड पड़ता है वहाँ परए मई जून के महीने में वर्षा का प्रतिशत 2% तक बढ़ गया है I परन्तु वहीं दूसरी तरफ यह प्रतिशत जुलाई अगस्त में बहुत घट गया है I मेरा मानना है कि मौसम में हो रहे बदलावों के कारण ये सब कुछ देखने को मिल रहा है I कहीं पर सूखाए तो कहीं पर बाढ़ यानि असामान्य वर्षा !

सुरेन्द्र : अच्छा ये बताइये सुखा या फिर वर्षा के ये दौर कितने लम्बे खिंच सकते हैं ?

प्रताप : हाँ I तीन या फिर इससे अधिक दिनों तक जब ये स्थिति बनती है तो सूखा या अति वर्षा की स्थिति बनती है I इस प्रकार की स्थिति मध्य भारत में अधिक देखने को मिलती है I

महीपाल : आखिर इन सब के पीछे क्या कारण है I

ग्रामीण.1 : और सूखे की स्थिति से बाहर आने के लिए अब हमें क्या करना चाहिये ?

#####लोग एक दूसरे से चर्चा शुरू कर देते हैं I ####

प्रताप : ध्यान से सुनो I मैं बताता हूँ I अभी तक आप समझ गए होंगे कि बरसात एक प्राकृतिक चक्र है जो किए विशेष परिस्थितियों द्वारा निर्धारित और नियन्त्रित होता है I इन दिनों अत्यधिक वर्षा या फिर सूखे की स्थितियाँ अत्यधिक देखने को मिल रही हैं I मानसून का चक्र बदल रहा है और वर्षा का स्वरूप भी बदल रहा है I

महीपाल : पर क्यों ?

प्रताप : इसका मुख्य कारण है ग्लोबल वार्मिंग और मौसम में बदलाव I प्रकृति में हज़ारों किलोमीटर दूर घट रही घटनाए हमारे यहाँ के वर्षा चक्र को प्रभावित करती है I

महीपाल : अच्छा ! ये बात है I

प्रताप : ग्लोबल वार्मिंग के साथ साथ कई दूसरे कारक भी इसमें ले सकते हैं I जैसे कि एल. निनो. जो किए हमारे देश में होने वाली वर्षा को बहुत हद तक प्रभावित करता है I हिमालय के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं I इससे भी हमारे यहाँ होने वाली वर्षा प्रभावित होती है I बदलते मानसून चक्र से बाढ़ और सूखे की सम्भावना बढ़ सकती है I पर याद रखो कोई बाबा इस स्थिति को बदल नहीं सकता है I स्थिति में बदलाव आ सके इसके लिए आप सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे I बाबाओं के चक्कर में समय और धन बर्बाद मर करो I

ग्रामीण.2 : पर हम कर क्या सकते हैं ?

प्रताप : अपनी खेती की योजना को बदलती परस्थितियों के अनुसार बनाना होगा वैज्ञानिक विधियों को अपनाना होगा I रडियो और टी.वी. पर कृषि वैज्ञानिकों द्वारा सुझाये गए क़दमों पर ध्यान देना और प्राकृतिक आपदाओं से कैसे लड़ा जाये ये जानना भी जरुरी है I

महीपाल : क्या मतलब ?

प्रताप : अभिप्राय यही है जब अच्छी वर्षा होती है पानी का संरक्षण करो I हमए अपने उपलब्ध जल का भण्डारण ही सही से नहीं कर पाते हैं I अच्छे बीजों का प्रयोग आदि पर ध्यान देना होगा I

ग्रामीण.1 : परन्तु ये सब कैसे हो सकता है ?

प्रताप : ये उसी प्रकार सेए आपसी सहयोग से सम्भव हो सकता है जिसके लिए तुम सभी यहाँ एकत्र हुए हो I धन का उपयोगए अच्छे कामों के लिए करो प्रकृति संरक्षण के लिए होना चाहिए I ग्लोबल वार्मिंग और मौसम में हो रहे बदलावए मानव की देन है I इसे ठीक करने के लिएए हमें ही कदम उठाने होंगे I

सुरेन्द्र : मेरे दोस्त प्रताप तुमने ठीक कहा है I हमें अपनी गलतियों को सुधारना होगा I हमारी आँखें खोलने के लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद I हम तुम्हारे साथ हैं I

सभी : हाँ हम साथ हैं I

ग्रामीण.1 : बोलो प्रताप भईया की.....सभी एक साथ जय....

सभी हँसते हैं

####### धारावाहिक संगीत #######